VIDYASAGAR UNIVERSITY

Curriculum for 3-Year B. A (HONOURS)
in

Hindi

Under Choice Based Credit System (CBCS)
w.e.f 2018-2019

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

VIDYASAGAR UNIVERSITY

BA (Honours) in Hindi

[Choice Based Credit System]

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
							CA	ESE	TOTAL
	Semester-I								
1	I	Core-1		CT1: हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)	6	5-1-0	15	60	75
		Core-2		CT2: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	6	5-1-0	15	60	75
		GE-1		TBD(from other discipline)	6	5-1-0/ 4-0-4	15	60	75
		AECC-1		English/MIL	2	1-1-0	10	40	50
	Semester –I: total				**20**				**275**
	Semester-II								
	II	Core-3		CT3: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	6	5-1-0	15	60	75
		Core-4		CT4: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	6	5-1-0	15	60	75
		GE-2		TBD(from other discipline)	6	5-1-0/ 4-0-4	15	60	75
		AECC-2		ENVS	4		20	80	100
	Semester-II : total				**22**				**325**

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
							CA	ESE	TOTAL
	Semester-III								
2	**III**	Core-5		CT5: **भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**	6	5-1-0	15	60	75
		Core-6		CT6: भारतीय काव्यशास्त्र	6	5-1-0	15	60	75
		Core-7		CT7: हिंदी कहानी	6	5-1-0	15	60	75
		GE-3		TBD(from other discipline)	6	5-1-0/ 4-0-4	15	60	75
		SEC-1		SEC1T: साहित्य और हिंदी सिनेमा	2	1-1-0	10	40	50
		Semester – III : total			**26**				**350**
	Semester-IV								
	IV	Core-8		CT8: छायावादोत्तर हिंदी कविता	6	5-1-0	15	60	75
		Core-9		CT9: पाश्चात्य काव्यशास्त्र	6	5-1-0	15	60	75
		Core-10		CT10: हिंदी उपन्यास	6	5-1-0	15	60	75
		GE-4		TBD (from other discipline)	6	5-1-0/ 4-0-4	15	60	75
		SEC-2		SEC2T: अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि	2	1-1-0	10	40	50
		Semester – IV : total			**26**				**350**

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

Year	Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks		
							CA	ESE	TOTAL
		Semester-V							
3	**V**	Core-11		CT11: हिंदी नाटक एवं एकांकी	6	5-1-0	15	60	75
		Core-12		C12: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	6	5-1-0	15	60	75
		DSE-1		DSE1T: प्रेमचंद	6	5-1-0	15	60	75
		DSE-2		DSE2T: प्रवासी साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		Semester –V : total			**24**				**300**
		Semester-VI							
	VI	Core-13		CT13: हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता	6	5-1-0	15	60	75
		Core-14		CT14: प्रयोजनमूलक हिंदी	6	5-1-0	15	60	75
		DSE-3		DSE3T: लोकसाहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		DSE-4		DSE4T: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	6	5-1-0	15	60	75
		Semester – VI : total			**24**				**300**
Total in all semester:					**142**				**1900**

CC = Core Course , **AECC** = Ability Enhancement Compulsory Course , **GE** = Generic Elective , **SEC** = Skill Enhancement Course , **DSE** = Discipline Specific Elective , **CA**= Continuous Assessment , **ESE**= End Semester Examination , **TBD**=To be decided , **CT** = Core Theory, **CP**=Core Practical , **L** = Lecture, **T** = Tutorial ,**P** = Practical , **MI**L = Modern Indian Language , **ENV**S = Environmental Studies ,

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

List of the Core Course (CC)

CC-1: हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

CC-2: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

CC-3: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

CC-4: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

CC-5: भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

CC-6: भारतीय काव्यशास्त्र

CC-7: हिंदी कहानी

CC-8: छायावादोत्तर हिंदी कविता

CC-9: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

CC-10: हिंदी उपन्यास

CC-11: हिंदी नाटक एवं एकांकी

CC-12: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

CC-13: हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

CC-14: प्रयोजनमूलक हिंदी

Discipline Specific Electives (DSE)

DSE-1: प्रेमचंद

DSE-2: प्रवासी साहित्य

DSE-3: लोकसाहित्य

DSE-4: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Skill Enhanced Electives (SEC)

SEC-1: साहित्य और हिंदी सिनेमा

SEC-2: अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

Generic Elective (GE)

[Interdisciplinary for other department]

GE-1: पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

GE-2: आधुनिक भारतीय कविता

GE-3: आधुनिक भारतीय साहित्य

GE-4: सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

Core Courses (CC)

CC–1: हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक) **Credits 06**

C1T: हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
  रासो काव्य, लौकिक साहित्य
- भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  संत काव्य, सूफी काव्य, रामाव्य, कृष्णकाव्य
- रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
  रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

CC-2: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **Credits 06**

C2T: हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
  हिंदी नवजागरण
  भारतेंदु युग
  द्विवेदी युग
  छायावाद
  प्रयोगवाद
  प्रगतिवाद
  नई कविता
  समकालीन कविता

- हिंदी गद्य का विकास
  स्वतंत्रतापूर्व हिंदी गद्य
  स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

CC-3:आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता **Credits 06**

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

C3T: आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

- **विद्यापति** –
  1. माधव बहुत मिनती कर तोय,
  2. बड़ सुख सार पाओल तुम तीरे,
  3. सैसव, जौवन दुई मिल गेल,
  4. कुंज भवन सएं निकसलि, रे रोकल गिरधारी
  5. नव वृंदावन, नव-नव तरुगन
- **कबीर** – **पद–**
  1. दुलहिन गावहुँ मंगलाचार
  2. संतो भाई आई ग्यान की आंधी रे
  3. अरे इन दोहुन राह न पाई
  4. साधो देखो जग बौराना

  दोहे -
  1. सतगुरु की महिमा अनंत
  2. राम नाम के पंटतरे देवे के कछु नाहिं
  3. बिरहा बिरहा जिनि कहो, बिरहा है सुलतान
  4. सुखिया सब संसार है, खावे अरु सोवे
- **जायसी** – नागमती वियोगखंड (पद्मावत), सं.– वासुदेवशरण अग्रवाल
- **सूरदास** – भ्रमरगीत सार – सं. रामचंद्र शुक्ल – 23, 42, 51, 64, 109
  1. आयो घोष बड़ो व्यापारी
  2. अखियाँ हरि दरसन को भूखी
  3. अलि हो ! कैसे कहों
  4. निर्गुन कौन देस को बासी
  5. उधो ! ब्रज की दशा विचारो।
- **तुलसीदास** -
  1. ऐसी मूढ़ता या मन की
  2. जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे
  3. अबलौं नसानी अब न नसैहौं

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

4. जाके प्रिय न राम बैदेही
5. ऐसे को उदार जग माहीं

- **रहीम**
  1. प्रीतम छवि नैनन बसी, पर छबि कहाँ समाय।
  2. रहिमन राज सराहिये, ससि सम सुखद जो होई।
  3. जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
  4. रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल।
  5. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग।
  6. सर सूखे पंछी उड़ै, औरैं सरन्ह समाहिं।
  7. रहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सून।
  8. माँगे घटत रहीम पद, कितो करा बड़ काम।
  9. धूरि धरत नित सीस पर कहु रहीम केहिं काज।
  10. रहिमन अँसुवा नयन ढरि जिय दुख प्रगट करेई।

- **मीराबाई –**
  1. हेरी मैं तो प्रेम दिवानी, (काव्य मंजूषा, पद-21)
  2. बसो मेरे नैनन में नंदलाल (काव्य मंजूषा, पद-72)
  3. भज मन चरन कँवल अबिनासी (काव्य मंजूषा, पद-73)
  4. मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई (मंजूषा, पद-75)
  5. अखियाँ कृष्ण मिलन को प्यासी

- **बिहारी**
  1. मेरी भव बाधा हरो, राधा नागरि सोई
  2. तो पर वारौं उरवसी, सुनि राधिके सुजान
  3. कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात
  4. नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं विकास इहिं काल
  5. मंगल बिदुं सुरंग, मुखु सासि, केसरि-आड़ गुरु
  6. तंत्री-नाद, कवित-रस, सरस राग, रति-रंग
  7. या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई
  8. बसै बुराई जासु तन, ताहि को सनमानु

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

9. बतरसलालच लाल की मुरली धरी लुका
10. कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ

- **घनानंद**
  1. हनि भएं जल मीन अधीन,
     कहा कछु मो अकुलानि समाने
  2. रावरे रूप की रीति अनूप
     नयो नयो लागत, ज्यों ज्यों निहारि
  3. अति सूधो सनेह का मारग है
     जहाँ नेकु सयानप बाँक नही
  4. लाजनि लपेटी चितवनि भेदभाव भरी
  5. लोग हैं लागि कवित बनावत
     मोहो तो मेरो कवित बनावत

- **रसखान –**
  1. शेष, महेश, गणेश, दिनेश ...
  2. वा लकुटिया अरु कामरिया ...
  3. मानुष हो तो वही रसखान
  4. काग के भाग कहाँ कहिए सखी

CC-4: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) **Credits 06**

C4T: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

- भारतेंदु – होली, निजभाषा उन्नति अहै, भारत-दुर्दशा (गीत)
- अयाध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' – प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग), प्रार्थना
- मैथिलीशरण गुप्त – किसान, कैकेयी का अनुताप, महाभिनिष्क्रमण
- रामनरेश त्रिपाठी - आगे बढ़े चलेंगे, वह देश कौन सा है, कामना
- जयशंकर प्रसाद – हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, आत्मकथा
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - तोड़ती पत्थर, भिक्षुक, स्नेह निर्झर बह गया

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, भारतमाता ग्रामवासिनी, द्रुत झरो जगत के जीर्ण-पत्र
- महादवी वर्मा – बिन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ मैं नीर भरी दुख की बदली, विरह का जलजात जीवन

CC-5: भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा **Credits 06**

C5T: भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन क कारण, भाषा और बोली।
भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण -- स्थान और प्रयत्न क आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद), पद विभाग -- नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
वाक्य विज्ञान -- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ के संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी।
देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार क प्रयास।

CC-6: भारतीय काव्यशास्त्र **Credits 06**

C6T: भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयाजन।
रस सिद्धांत -- रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
ध्वनि सिद्धांत -- ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
अलंकार सिंद्धांत -- अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य संप्रदाय।
रीति सिद्धांत -- रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

वक्रोक्ति सिद्धांत -- वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
औचित्य सिद्धांत -- औचित्य की अवधारणा।
हिंदी काव्यशास्9 का इतिहास -- सामान्य परिचय।

CC-7: हिंदी कहानी **Credits 06**

C7T: हिंदी कहानी

उसन कहा था	--	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
पूस की रात	--	प्रेमचंद
आकाशदीप	--	जयशंकर प्रसाद
हार की जीत	--	सुदर्शन
पाजेब	--	जैनेन्द्र कुमार
तीसरी कसम	--	फणीश्वरनाथ रेणु
मिस पाल	--	मोहन राकेश
परिन्द्र	--	निर्मल वर्मा
दोपहर का भोजन	--	अमरकांत
सिक्का बदल गया	--	कृष्णा सोबती
पिता	--	ज्ञानरंजन

CC-8: छायावादोत्तर हिंदी कविता **Credits 06**

C8T: छायावादोत्तर हिंदी कविता

- केदारनाथ अग्रवाल - बसंती हवा
- नागार्जुन - हरिजन गाथा, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर
- रामधारी सिंह दिनकर – कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' – यह दीप अकेला, साँप कलगी बाजरे की

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- भवानीप्रसाद मिश्र – सन्नाटा, श्रम की महिमा
- रघुवीर सहाय – अधिनायक, रामदास, आपकी हँसी
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – धीरे-धीरे, तुम्हारे साथ रहकर, काठ की घंटियाँ
- गिरिजाकुमार माथुर – दो पाटों की दुनिया, पंद्रह अगस्त, आदमी की अनुपात

CC-9: पाश्चात्य काव्यशास्त्र **Credits 06**

C9T: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो -- काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू -- अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस -- काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वर्ड्सवर्थ -- काव्य भाषा का सिद्धांत।
- कॉलरिज -- कल्पना और फैन्टेसी
- क्रोचे -– अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस.इलियट -- परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- आइ.ए.रिचडर्स -- मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत।
- नई समीक्षा।
- मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवशिकता, संरचनावाद।

CC-10: हिंदी उपन्यास **Credits 06**

C10T: हिंदी उपन्यास

गबन -- प्रेमचंद
त्यागपत्र -- जैनेन्द्र कुमार

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

मृगनयनी -- वृंदावन लाल वर्मा
मानस का हंस -- अमृतलाल नागर
महाभोजन -- मन्नू भंडारी

CC-11: हिंदी नाटक एवं एकांकी **Credits 06**

C11T: हिंदी नाटक एवं एकांकी

नाटक

अंधेर नगरी -- भारतेंदु हरिश्चंद्र
स्कंदगुप्त -- जयशंकर प्रसाद
आषाढ़ का एक दिन -- मोहन राकेश
माधवी -- भीष्म साहनी

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात -- रामकुमार वर्मा
विषकन्या -- गोविंद बल्लभ पंत
और वह जा न सकी -- विष्णु प्रभाकर
भोर का तारा -- जगदीशचंद्र माथुर

CC-12: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ **Credits 06**

C12T: हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

सरदार पूर्ण सिंह -- मजदूरी और प्रेम
रामचंद्र शुक्ल -- करुणा
हजारी प्रसाद द्विवदी – देवदारु
विद्यानिवास मिश्र -- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
शिवपूजन सहाय -- महाकवि जयशंकर प्रसाद
रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

डॉ. नगेन्द्र -- दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
माखनलाल चतुर्वेदी -- तुम्हारी स्मृति
विष्णुकांत शास्त्री -- य हैं प्रोफेसर शशांक

CC-13: हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता **Credits 06**

C13T: हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

साहित्यिक पत्रकारिता : अर्थ, अवधारणा और महत्व।
भारतेंदुयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
द्विवेदीयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
प्रेमचंद और छायावादी साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
साहित्यिक पत्रकारिता मं अनुवाद की भूमिका।
महत्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिंदी प्रदीप, हिंदास्थान, आज, स्वदेश, प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

CC-14: प्रयोजनमूलक हिंदी **Credits 06**

C14T: प्रयोजनमूलक हिंदी

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप मं हिंदी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप मं हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
हिंदी की शैलियाँ : हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी।
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।
हिंदी का मानकीकरण।
हिंदी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता -- प्रकार और शैली।
प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिंदी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन।

हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

Discipline Specific Elective (DSE)

DSE-1: प्रेमचंद **Credits 06**

DSE1T: प्रेमचंद

- उपन्यास -- सेवासदन
- नाटक -- कर्बला
- निबंध -- साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ -- पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा।

DSE-2: प्रवासी साहित्य **Credits 06**

DSE2T: प्रवासी साहित्य

उपन्यास

- अभिमन्यु अनत : लाल पसीना, राजमल प्रकाशन, दिल्ली
- सुषम बेदी : लौटना, पराग प्रकाशन, नयी दिल्ली
- नीना पॉल : कुछ गांव गांव कुछ शहर शहर, यश पब्लिकेशन, नई दिल्ली
- दिव्य माथुर : शाम भर बातं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

कहानियाँ

- तेजेन्द्र शर्मा : कोख का किराया
- जकिया जुबेरी : सांकल
- जय वर्मा : गुलमाहर

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- सुधा ओम ढींगरा : कान सी जमीन अपनी
- उषा राजे सक्सेना : ऑन्टाप्रोन्योर
- पूर्णिमा बर्मन : यों ही चलते हुए
- अनिल प्रभा कुमार : बेमौसम की बर्फ

DSE-3: लोक साहित्य **Credits 06**

DSE3T: लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंत:संबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।
- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिंदी लोकनाट्य की परंपरा एवं प्रविधि। हिंदी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग-कथा, काथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत

DSE-4: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य **Credits 06**

DSE4T: अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

- **विमर्शों की सैद्धांतिकी :**
  1. दलित विमर्श : अवधारणा और आंदोलन, फुले और अंबेडकर
  2. स्त्री विमर्श : अवधारणा और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
  3. आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आंदोलन

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- **विमर्शमूलक कथा साहित्य :**
    1. ओमप्रकाश वाल्मीकि -- सलाम
    2. जयप्रकाश कर्दम -- नौ बार
    3. हरिराम मीणा -- धूणी तपे तीर, पृष्ठ : 158 – 167
    4. मोहनदास नैमिशराय -- मुक्तिपर्व (उपन्यास) का अंश (पृष्ठ 24 से 33)
    5. सुमित्रा कुमारी सिन्हा -- व्यक्तित्व की भूख
    6. नासिरा शर्मा -- खुदा की वापसी

- **विमर्शमूलक कविता :**
    a. दलित कविता :
        1. अछूतानंद -- दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे
        2. नगीना सिंह -- कितनी व्यथा
        3. कालीचरण सनेही -- दलित विमर्श
        4. माता प्रसाद -- सोनवा का पिंजरा

    b. स्त्री कविता :
        1. कीर्ति चौधरी -- सीमा रेखा
        2. कात्यायनी -- सात भाइयों के बीच चम्पा
        3. सविता सिंह -- मैं किसकी औरत हूँ

- **विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ**
    1. प्रभा खेतान -- अन्या से अनन्या (पृष्ठ : 28 से 42)
    2. तुलसीराम -- मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ : 125 से 135)
    3. महादेवी वर्मा -- स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न
    4. डॉ. धर्मवीर --अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर

Skill Enhancement Course (SEC)

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

SEC-1: साहित्य और हिंदी सिनेमा **Credits 02**

SEC1T: साहित्य और हिंदी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिनेमा सिद्धांत।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रकिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिंदी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानांतर सिनेमा, भूमंडलीकरण, बाजारवाद और हिंदी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिंदी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपांतरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा :
- आरंभ से 1947 : राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, अनमोल घड़ी, देवदास
- 1947 से 1970 : मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
- 1970 से 1990 : गर्म हवा, बॉबी, शोले, आँधी।
- 1990 से अद्यतन : तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले दुलहनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस., पान सिंह तोमर, मैरी कॉम।

SEC-2: अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि **Credits 02**

SEC2T: अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।
- अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद-प्रक्रिया के तीन चरण – विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष – पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थांतरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसंप्रेषण की प्रक्रिया)।
- सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद की अपेक्षाएँ। सर्जनात्मक साहित्य के अनुवाद और तकनीकी अनुवाद में अंतर। गद्यानुवाद एवं काव्यानुवाद में संरचनात्मक भेद। किन्हीं दो अनूदित कृतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।

  क. गीतांजलि का हिंदी अनुवाद – हंस कुमार तिवारी

  ख. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा हिंदी में किया गया भावानुवाद – 'विश्वप्रपंच की भूमिका'।
- कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर)/ज्ञापन (प्रजेंटेशन)/कार्यालय आदेश/अधिसूचना/संकल्प-प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा-संविदा/विज्ञापन।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप।

Generic Elective (GE)

[Interdisciplinary for other department]

GE-1: पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य **Credits 06**

GE1T: पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैन्टसी
- मिथक एवं प्रतीक

GE-2: आधुनिक भारतीय कविता **Credits 06**

GE2T: आधुनिक भारतीय कविता

- असमिया
  - नवकांत बरुआ – रेत
  - नीलमणि फूकन – उस दिन रविवार था
- उर्दू
  - गालिब – बस की दुशवार है हर काम का आसां होना,
    की बफां हमसे तो गैर उसको जफा कहते हैं
  - फिराक गोरखपुरी – मौत एक गित रात गाती थी,
    नई हुई फिर रस्म पुरानी दीवाली के दीप जले
- तमिल
  - सुब्रमण्यम भारती – स्वतंत्रता, नाचेंगे हम
  - वैरमुत्तु – बिंदु सिंधु की ओर – साहित्य अकादमी (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
- बांग्ला
  - रवींद्रनाथ ठाकुर – दो पंक्षी, ब्राह्मण
  - काली नजरुल इस्लाम – नाविक सावधान, हम
- संस्कृत
  - श्रीधर भास्कर वर्णेकर – श्री शिव पराज्योदयम (1974)
  - राधावल्ल्भ त्रिपाठी – हम, नववर्ष मंगल
- गुजराती
  - उमाशंकर जोशी – चिता के फूल, विश्वशांति
  - संस्कृति रानी देसाई – सूर्य जा सूर्य (काव्य संग्रह)

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

- कश्मीरी

  रहमान राही – अंधकार में ही खुलता है रहस्य,
  चंद्रकांता – यहीं कहीं आसपास

GE-3: आधुनिक भारतीय साहित्य **Credits 06**

GE3T: आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- पाठ्यपुस्तकें (उपन्यास)
  - संस्कार – यू. आर. अनंतमूर्ति
  - मृत्युंजय – शिवाजी सावंत
  - जंगल के दावेदार – महाश्वेता देवी
  - आठ गुंठ छ भाग – फकीर मोहन सेनापति

GE-4: सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र **Credits 06**

GE4T: सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।

फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व।

स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार, पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf

दृश्य–सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबंधित लेखन।

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्राकारिता।

END

Downloaded from Vidyasagar University by 216.73.216.37 on 27 Jan 2026 : 03:25:03; Copyright : Vidyasagar University
http://www.vidyasagar.ac.in/Downloads/ShowPdf.aspx?file=/UG_Syllabus_CBCS_FULL/BA_HONS/Hindi_Hons_revised.pdf